34303

Reg. No. [ ]

III Semester B.Com./B.C.H.N./B.C.L.S./B.C.T.T./B.C.A.F. Degree Examination, March/April- 2022

HINDI

Natak, Sarkari Patra Aur Sankshepan

(CBCS Scheme Freshers and Repeaters 2019-2020 Onwards)

Paper - III

Time : 3 Hours | Maximum Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। (10×1=10)

1) हानूश की पत्नी का नाम क्या है?

2) हानूश पादरी से कितने वर्ष छोटा है?

3) लोहे के साथ किस धातु को मिलाने से लचक आती है?

4) हानुश से मिलने वेनिस से कौन आया था?

5) हुसाक नगरपालिका के किस पद पर आसीन है?

6) हानुश की घड़ी कहाँ पर लगाई गई?

7) यान्का किसके यहाँ से जुता लाने जाती है?

8) नदी के पार के राज्य का नाम क्या है?

9) दिसावर के साथ क्या बढ़ रही है?

10) 'हानुश' नाटक के नाटककार कौन है?

II. किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (2×6=12)

1) मेरा बस चले तो इस मुई घड़ी का सारा सामान खिड़की के बाहर फेंक दुं।

2) भगवान चाहेंगे तो तुम्हें अपने कपड़े भी नसीब हो जाएँगे।

3) इन नए-नए आविष्कारों में यह बहुत बड़ी बुराई है की इनसें मन की अशान्ति बढ़ती है।

4) हम एक-दुसरें का भला चाहते हुए भी एक-दुसरे को सुख नहीं दे पाए।

[P.T.O.

III. 'हानुश' नाटक का सार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(1×12=12)**

(अथवा)

'हानुश' नाटक के आधार पर 'हानुश' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए। **(1×6=6)**

1) यान्का।

2) पादरी।

V. पत्र लेखनः (कोई दो) **(2×10=20)**

1) कोविड़- 19 की तीसरी लहर के रोकथाम हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से कर्नाटक राज्य सरकार को उचित कदम उठाने की सूचना देते हुए एक सामान्य सरकारी पत्र लिखिए।

2) गज़ट के भाग-1, अनुभाग-2 में प्रकाशानार्थ मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार की ओर से एक अधिसूचना तैयार कीजिए, जिसमें श्रीमती रश्मी, संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग को निदेशक की पदोन्नती होने की सूचना हो।

3) निदेशक, कुटीर उद्योग निदेशालय, भारत सरकार की ओर से श्री कमलेश्वर, उपनिदेशक कर्नाटक राज्य सरकार को एक अर्ध सरकारी पत्र लिखिए जिसमें लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देने का सुझाव दिया गया हो।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई में संक्षेपण कीजिए। **(1×10=10)**

हम अपनी भाषाओं द्वारा ही अपने देश के गौरव और राष्ट्रीयता को स्पष्ट रुप से प्रकट कर सकते है। अंग्रेजी के समर्थकों का यह कथन ठीक नहीं है कि भारतीय भाषाएँ कभी भी अंग्रेजी के स्थान को प्राप्त नहीं कर सकती। क्योंकी अंग्रेज ही यह स्वीकार करते है कि यदि आरंभिक दशा में अंग्रेज़ी फ्रेंच भाषा का स्थान ग्रहण नहीं करती तो उसका विकास इतना शीघ्र नहीं होता, अंग्रेजी के समर्थकों का कथन यह है कि उत्तम साहित्य तथा अनंत शब्द-भंडार से शोभित अंग्रेजी को राष्ट्रभाषा के पद पर ही प्रतिष्ठित करें, तो इसके द्वारा अंतराष्ट्रीय भाव विचारों के आकलन में अधिक सुविधा रहेगी। इस तर्क के द्वारा अंग्रेजी को राष्ट्रभाषा के रुप में कायम रखना युक्तिसंगत नही है। क्योंकि वह भाषा हमारी बौद्धिक शक्ति को निस्सार बनाकर हमारे कल्पना-स्त्रोत को सुखाकर हमें पंगु बना देगी। अंग्रेज़ी के समर्थक अपने भारतीय विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी की आवश्यकता समझाने में उत्सुक रहते है पर यदि कोई विद्यार्थी अंग्रेजी में कविता लिखकर दिखावे, तो मौहे टेढ़ी कर लेते हैं। इससे स्पष्ट है कि अंग्रेज़ी उसके समर्थकों की दृष्टि में ही भारतीयों की कल्पना -शक्ति के अनुकूल नहीं पड़ती।